



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, १५ फरवरी, १९९७/२६ मार्च, १९१८

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग

(संसदीय कार्य विभाग)

अधिसूचना

शिमला-२, २९ जनवरी, १९९७

संख्या जी० ए० डी० (पी०ए०) ४ (डी०) १०/८८.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश राजभाषा अनुपूरक उपबन्ध अधिनियम, १९८१ की धारा ३ के अधीन “हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष (मोटर कार अग्रिम) नियम, १९७१” का प्राधिकृत राजभाषा हिन्दी पाठ राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने के सहर्ष आदेश करते हैं ।

आदेश द्वारा,

एस० एस० नेगी,
आयुक्त एवं सचिव ।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष (मोटर कार अग्रिम) नियम, 1971

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष (मोटर कार अग्रिम) नियम, 1971 है।

(2) ये नियम जनवरी, 1971 के पन्चीसवें दिन से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात विरुद्ध न हो:—

- (i) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन अधिनियम, 1971 अभिप्रेत है ;
- (ii) “अध्यक्ष/उपाध्यक्ष” से हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष से हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष अभिप्रेत हैं ;
- (iii) “मंजूरी प्राधिकारी” से हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल अभिप्रेत हैं ;
- (iv) “संपरीक्षा अधिकारी” से हिमाचल प्रदेश और चण्डीगढ़ के महालेखाकार अभिप्रेत हैं ;
- (v) अन्य सभी शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके हैं।

3. अनुज्ञेय अग्रिम.—अध्यक्ष/उपाध्यक्ष को मोटर कार खरीदने के लिए अग्रिम दिया जा सकेगा जिससे वह अपने कार्यालय के कर्तव्यों को, इसमें इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, सुविधापूर्वक तथा दक्षतापूर्वक निर्वहन कर सके।

4. अधिकतम अग्रिम राशि.—मोटर कार के क्रय हेतु अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, यथास्थिति, को अधिकतम राशि छः लाख रुपये या खरीदी जाने वाली मोटर कार की वास्तविक कीमत, जो भी हो, से अधिक नहीं होगी :

परन्तु यदि अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, यथास्थिति, ने हिमाचल प्रदेश मन्त्री (भवन निर्माण के लिए अग्रिम ऋण) नियम, 1981 के नियम 4 या हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और (भवन निर्माण के लिए अग्रिम ऋण) नियम, 1982 के नियम 4 या हिमाचल प्रदेश उप-मन्त्री (भवन निर्माण के लिए अग्रिम ऋण) नियम, 1982 के नियम 4 या हिमाचल प्रदेश विधान सभा सदस्य (भवन निर्माण के लिए अग्रिम ऋण) नियम, 1979 के नियम 4 के अधीन भवन निर्माण अग्रिम लिया हो तो मोटर कार अग्रिम की कुल राशि की परिसीमा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, यथास्थिति द्वारा पहले लिए गए भवन निर्माण अग्रिम सहित छः लाख रुपये से अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और कि जहां अध्यक्ष या उपाध्यक्ष यथास्थिति, ने मन्त्री उप-मन्त्री या विधान सभा सदस्य, यथास्थिति की हैसियत में मोटर कार अग्रिम ले रखा हो तो मोटर कार की कुल राशि की परिसीमा उसे पहले दिए गए मोटर कार अग्रिम सहित छः लाख रुपये से अधिक नहीं होगी।

5. अग्रिम की वसूली.—(1) नियम 4 के अधीन मंजूर अग्रिम की वसूली उस पर ब्याज सहित ₹20 समान मासिक किस्तों में दी जाएगी सरकार शेष पदावधि को ध्यान में रखते हुए या यदि अध्यक्ष/उपाध्यक्ष स्वयं ऐसा चाहें तो कम संख्या की किस्तों में वसूली के आदेश कर सकेंगी। कदाचित्, अग्रिम लेने के पश्चात् पहले जारी वेतन से प्रारम्भ की जाएगी।

(2) हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अपने सरकारी कर्मचारियों को दी जाने वाली उसी प्रकार की अग्रिम राशि पर समय-समय पर नियत किये जाने वाला साधारण ब्याज वसूल किया जाएगा, परन्तु अग्रिम राशि लेने के समय नियत की गई ब्याज दर अग्रिम के पूरे समय तक वही लागू रहेगी।

(3) यदि कोई अध्यक्ष या उपाध्यक्ष यथास्थिति अग्रिम धनराशि के पूर्ण प्रतिसंदाय होने से पूर्व ही किसी कारणवश अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पद पर नहीं बना रहता परन्तु विधान सभा का सदस्य बना रहता है तो मामिक किस्ते उसे विधान सभा सदस्य के रूप में अनुज्ञेय विभिन्न भत्तों में से विधान सभा सचिवालय द्वारा वसूल की जाएगी।

(4) यदि कोई अध्यक्ष या उपाध्यक्ष अग्रिम धनराशि के पूर्ण प्रतिसंदाय होने से पूर्व विधान सभा सदस्य के पद पर नहीं बना रहता परन्तु पेंशन का हकदार होना है तो उसे मिलने वाली पेंशन में से विधान सभा सचिवालय द्वारा वसूली की जाएगी तथा मामिक किस्तों की बकाया राशि उसके द्वारा नियमित रूप से सरकारी कोष में जमा की जाएगी और इस भुगतान के प्रमाण के रूप में वह चालान की एक प्रति सरकार को नियमित रूप से प्रस्तुत करेगा।

(5) यदि वह विधान सभा सदस्य के पद पर नहीं रहता तथा पेंशन का हकदार भी नहीं बनता तो उसके द्वारा मामिक किस्ते उस पर प्रोद्भूत ब्याज सहित नियमित रूप से प्रतिमास सरकारी कोष में जमा की जाएगी तथा इसके प्रमाण में कोष के चालान की प्रति सरकार को प्रस्तुत की जाएगी।

(6) अग्रिम धनराशि तथा उस पर प्रोद्भूत ब्याज की वसूली से पूर्व ही मृत्यु होने की दशा में अध्यक्ष/उपाध्यक्ष या विधान सभा सदस्य का विधिक उत्तराधिकारी के उत्तराधिकारी द्वारा अग्रिम पर प्रोद्भूत ब्याज सहित अग्रिम की शेष राशि एक मुश्त सरकारी कोष में जमा करेगा, और वह/वे समस्त राशि के जमा किए जाने के प्रमाण में चालान की एक प्रति सरकार को प्रस्तुत करेगा/करेंगे।

(7) यदि अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या उसका विधिक प्रतिनिधि, यथास्थिति, अग्रिम के मूलधन अथवा उस पर ब्याज की मामिक किस्तों की नियमित अदायगी नहीं करता या यदि वह/वे दिवालिया हो जाता है/जाते हैं या ऋण की अदायगी के नियमों तथा शर्तों के अनुपालन या पालन करने में विफल होता है/होते हैं तो इस दशा में ऋण की सम्पूर्ण मूल राशि या उसमें से इतना जितना कि उस समय देय तथा असंदात रहा हो, सरकार को उस पर विहित दर से ब्याज सहित एक मुश्त में तत्काल देय होगा। सरकार को उपरोक्त बकाया राशि को "भू-राजस्व के बकाया" के रूप में वसूल करने की स्वतंत्रता होगी। विधान सभा सचिवालय द्वारा इस प्रभाव में की गई वसूली उपरोक्त शर्तों पर विचार करते हुए हिमाचल प्रदेश विधान सभा सदस्य (मोटर कार के ऋय के लिए ऋण अग्रिम) नियम, 1979 जैसा समय-समय पर प्रवृत्त हो के अधीन विनियमित की जाएगी।

स्पष्टीकरण:—मामिक रूप से वसूल की जाने वाली अग्रिम धनराशि की अन्तिम किस्त, जिसमें शेष राशि रुपये के किसी अंश सहित वसूल की जानी है, को छोड़कर, पूरे रूपों में नियत की जाएगी।

6. मोटर कार का विक्रय.—(1) अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के पद त्याग देने के सिवाय अग्रिम की सहायता से खरीदी गई मोटर कार को बेचने के लिए अध्यक्ष/उपाध्यक्ष द्वारा सरकार की पूर्व मंजूरी ली जाएगी, यदि ऐसा अग्रिम उस पर प्रोद्भूत ब्याज सहित पूर्णतः प्रतिसंदाय नहीं किया गया हो।

(2) सभी मामलों में जब मोटर कार अग्रिम को उस पर ब्याज सहित पूर्णतः प्रतिसंदाय से पहले ही बेच दी जाती है तो ऐसे बकाया अतिशेष के प्रतिसंदाय हेतु जहाँ तक अवश्य हो विक्रय आगम उपयोजित होगा:

परन्तु जब मोटर कार इसलिए बेची गई हो कि अन्य दूसरी मोटर कार खरीदी जा सकेगी सरकार अध्यक्ष/उपाध्यक्ष को निम्नलिखित शर्तों के अधीन ऐसी खरीद हेतु विक्रय आगम को प्रयोग करने की अनुज्ञा दे सकेगी अर्थात् :—

- (क) परादेय राशि को नई कार की लागत से अधिक होने की अनुज्ञा नहीं होगी;
- (ख) परादेय राशि का प्रतिसंदाय पूर्व नियत दर पर जारी रहेगा; और
- (ग) नई कार सरकार के पास बन्धक और बीमाकृत भी होगी।

7. अवधि जिसके भीतर कार खरीदने के लिए वार्ता पूर्ण की जा सकेगी.—अध्यक्ष/उपाध्यक्ष जो मोटर कार खरीदने के लिए अग्रिम लेता है खरीदने के लिए वार्ता पूर्ण करेगा और अग्रिम लेने की तारीख के एक महीने के भीतर मोटर कार के लिए पूर्ण अदायगी करेगा ; ऐसी सम्पत्ति और अदायगी के न होने पर अग्रिम की सम्पूर्ण राशि उस पर एक महीने के ब्याज सहित सरकार को वापिस की जाएगी । व्यक्तिगत की दशा में सरकार द्वारा व्यवहार की सम्पत्ति के लिए फिर भी एक महीने की अवधि में छूट दी जा सकेगी । जब मोटर कार पहले ही खरीदी गई हो और पूरा संदाय कर लिया हो अग्रिम अनुज्ञेय नहीं होगा । उस दशा में जिसमें अदायगी भागतः की हो तो अग्रिम की राशि असंदत बकाया तक ही सीमित होगी जैसा मंत्री द्वारा प्रमाणित किया गया हो ।

8. करार का निष्पादन.—अग्रिम लेते समय अध्यक्ष/उपाध्यक्ष प्रारूप-I में करार निष्पादित करेगा और खरीद पूर्ण होने पर जिसमें वह अग्रिम के लिए सरकार को प्रतिभूति के रूप में मोटर कार को आड़मान करते हुए प्रारूप-II में बन्धक-पत्र निष्पादित भी करेगा । मोटर कार की लागत कीमत बन्धक-पत्र के साथ संलग्न अनुसूची के विनिर्देशों में दर्ज की जाएगी ।

9. संपरीक्षा अधिकारी को प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाना.—जब अग्रिम लिया जाता है, मंजूरी प्राधिकारी, संपरीक्षा अधिकारी को यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा कि अग्रिम लेने वाले अध्यक्ष/उपाध्यक्ष ने प्रारूप-II में करार को हस्ताक्षरित कर लिया है और यह नियमानुसार है । मंजूरी प्राधिकारी देखेगा कि मोटर कार अग्रिम लेने की तारीख से एक महीने की भीतर या ऐसी अवधि में जैसे नियम 7 के अधीन कार्रवाई सम्पूर्ण करने के लिए सरकार द्वारा वैयक्तिक मामलों में विनिर्दिष्टतया अनुज्ञात की जा सकेगी खरीद ली गई है और प्रत्येक बन्धक-पत्र को तत्परता से संपरीक्षा अधिकारी को अन्तिम अभिलेख से पूर्व परीक्षण के लिए रखेगा ।

10. सुरक्षित अभिरक्षा और बन्धक-पत्र का रद्द किया जाना.—बन्धक-पत्र मंजूरी प्राधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाएगा । जब अग्रिम का उस पर ब्याज सहित पूर्ण रूप में प्रतिसंदाय कर लिया जाता है तो बन्धक-पत्र, संपरीक्षा अधिकारी से अग्रिम और ब्याज के संपूर्ण प्रतिसंदाय का प्रमाण पत्र प्राप्त करके सम्यक रूप से रद्द करके सम्बद्ध मंत्री को वापिस किया जाएगा ।

11. अग्रिम से खरीदी गई मोटर कार का अग्नि, चोरी या दुर्घटना द्वारा पूर्ण हानि के विरुद्ध किसी साधारण बीमा कारबार करने वाली बीमा कम्पनी/बीमा निगम के साथ बीमा किया जाएगा । बीमा पालिसी में प्रारूप-III के अनुसार खण्ड होगा जिसमें निगम स्वामी की अपेक्षा सरकार को मोटर कार को हुई हानि या क्षति जिसकी प्रतिपूर्ति, मुरम्मत, यथापूर्वकरण या प्रतिस्थापन द्वारा नहीं की गई है देने का करार करती है । ऐसा बीमा क्रय की तारीख के एक महीने के भीतर प्रभावी होगा ।

प्रारूप-I

1. मोटर कार खरीदने के लिए अग्रिम लेते समय निष्पादित किए जाने वाले करार का प्रारूप

(नियम 8 देखें)

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री.....अध्यक्ष/उपाध्यक्ष हिमाचल प्रदेश (जिसे इसमें आग उधार लेने वाला कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके वारिस, प्रशासक, निष्पादक, विधिक प्रतिनिधि और समनुदेशिनी भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल (जिन्हें इसमें आगे "सरकार हिमाचल प्रदेश" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके पदोत्तरवर्ती और समनुदेशिनी भी हैं) के बीच आज तारीख.....को किया गया है ।

उधार लेने वाले ने हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष (मोटर कार अग्रिम) नियम, 1971 के अधीन मोटर कार खरीदने के लिए सरकार को रु0 (..... रुपये) के ऋण के लिये आवेदन किया है और सरकार इसमें इसके पश्चात् अन्तर्विष्ट निबन्धनों और शर्तों पर उधार लेने वाले को उधार देने के लिए सहमत हो गई है।

(2) हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा उधार लेने वाले को: रु0 (..... रुपये) की संदत्त राशि के प्रतिफल में पक्षकारों के बीच करार किया जाता है (उधार लेने वाला जिसकी पावती की अभिस्वीकृति करता है) उधार लेने वाला सरकार के साथ करार करता है कि :—

- (1) जैसा उक्त नियम द्वारा उपबंधित है उसे विधान सभा सदस्य के रूप में संदेय वेतन या भत्ते, पेंशन से मासिक कटौतियों द्वारा उक्त नियमों के अनुसार संगणित ब्याज सहित कथित राशि को सरकार को संदत्त करेगा (जितनी अधिक वसूल की जा सके और शेष उसके द्वारा सरकारी कोष में जमा की जाएगी और सरकार को ऐसी कटौतियाँ करने को प्राधिकृत करता है। यदि उधार लेने वाला पेंशन लेने का हकदार न हो तो प्रोद्भूत ब्याज सहित मासिक किस्त उसके द्वारा नियमित रूप से सरकारी कोष में जमा की जाएगी तथा वह सरकार को उक्त नियमों में यथा उपबंधित जमा की गई राशि के साक्ष्य स्वरूप चालान की प्रति प्रस्तुत करेगा ;
- (2) मोटर कार की खरीद में उक्त ऋण की पूर्ण राशि को व्यय करने या यदि संदत्त वास्तविक कीमत ऋण से कम हो तो उनके अन्तर का प्रतिसंदाय सरकार को इन विलेखों की तारीख से एक मास के भीतर तत्काल करेगा, और
- (3) उधार लेने वाले को यथा पूर्वोक्त उधार दी गई राशि के लिए सरकार के पास प्रतिपूर्ति के रूप में उक्त मोटर कार के आड़मान करने वाले दस्तावेजों और उक्त नियमों द्वारा उपबंधित प्ररूप में ब्याज का निष्पादन करेगा।

इसके द्वारा अन्त में यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि यदि इन विलेखों की तारीख से एक महीने के भीतर पूर्वोक्त रूप में मोटर कार क्रय और आड़मान नहीं की जाती या उधार लेने वाला उस अवधि के भीतर दिवालिया हो जाता है या पद त्याग देता है अन्यथा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष नहीं रहता या उसकी मृत्यु हो जाती है ऋण की पूरी राशि उस पर प्रोद्भूत ब्याज सहित तुरन्त शोध्य और संदेय हो जाएगी। सरकार उक्त परादय की राशि को “भू-राजस्व का बकाया” के रूप में वसूल करने के लिए स्वतन्त्र होगी।

इसके साक्ष्य स्वरूप उधार लेने वाले ने पहले लिखे दिन और तारीख को इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

उक्त श्री ने
.....
.....

हस्ताक्षर (नाम और पद)

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से

.....
(अधिकारी के हस्ताक्षर और पद नाम)

1.
2.

साक्षी के हस्ताक्षर

उधार लेने वाले का नाम और पदनाम
..... की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

प्ररूप II

मोटर यान अग्रिम के लिए बन्धक-पत्र का प्ररूप

(नियम 8 देखें)

यह करार एक पक्षकार के रूप में श्री..... (जिसे इसमें आगे "उधार लेने वाला" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके वारिस, प्रशासक, निष्पादक, समनुदेशित और विधिक प्रतिनिधि भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल (जिन्हें इसमें आगे "हिमाचल प्रदेश सरकार" जिसके अन्तर्गत उसके पदोत्तरवर्ती और समनुदेशित भी हैं) के बीच आज तारीख..... को किया गया है।

उधार लेने वाले ने..... रुपये (केवल..... रुपये) के लिए आवेदन किया है और (हिमाचल प्रदेश) विधान सभा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष वेतन और भत्ते अधिनियम, 1971 के अधीन बनाए गए हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष/उपाध्यक्ष (मोटर कार अग्रिम) नियम, 1971 (जिन्हें इसमें इसके आगे "उक्त नियम" कहा गया है) के नियम 3 और 4 के अनुसार मोटर कार खरीदने के लिए..... रुपये का अग्रिम प्रदान किया गया है। और एक शर्त जिस सर उधार लेने वाले को उक्त अग्रिम प्रदान किया गया है। था ये है/थी कि उधार लेने वाला मुक्त मोटर कार को हिमाचल प्रदेश सरकार के पास उधार लेने वाले को दी गई राशि के लिए प्रतिभूति रूप में आड़मान करेगा और उधार लेने वाले ने यथा पूर्वोक्त ऐसी अग्रिम राशि के पूर्ण या अंशतः भाग से मोटर कार खरीद ली है जिसका विवरण निम्नलिखित अनुसूची में निर्दिष्ट है।

यह करार इस बात का साक्षी है कि उक्त करार के अनुसार में और पूर्वोक्त प्रतिफल के लिए (उधार लेने वाला) हिमाचल प्रदेश सरकार को..... रुपये (..... रुपये) की पूर्वोक्त राशि या उसके बचे अवशेष को इस विलेख की तारीख तक..... रुपये (..... रुपये) की राशि के समान संदाय द्वारा प्रत्येक मास के प्रथम दिन को देगा और तत्समय देय शेष राशि पर ब्याज संदत्त करेगा और बकाया संगणना उक्त नियम के अनुसार करेगा और उधार लेने वाला यह करार करता है कि ऐसा संदाय..... द्वारा उसके वेतन से उक्त नियमों में उपबध्दित रीति में विधान सभा सदस्य के रूप में संदेय वेतन या भत्तों या पेशन से या अन्यथा मासिक कटौतियों द्वारा वसूल किया जा सकेगा, और उक्त करार के अनुसरण में उधार लेने वाला आगे हिमाचल प्रदेश सरकार को उक्त अग्रिम और उक्त नियमों द्वारा उस पर अपेक्षित ब्याज सहित प्रतिभू के रूप में मोटर को समनुदेशित और अन्तरित करता है जिसका विवरण नीचे लिखी अनुसूची में दिया गया है, इसमें उधार लेने वाला यह करार करता है और घोषणा करता है कि उसमें उक्त मोटर कार की पूर्ण क्रय कीमत संदत्त कर दी है और वह अब उसकी आत्यंतिक सम्पत्ति है और उसने उसे गिरवी नहीं रखा है और उक्त अग्रिम के सम्बन्ध में हिमाचल प्रदेश सरकार को देय धन का बकाया जितने समय तक रहता है वह उस समय तक उक्त मोटर कार को न तो बेचेगा, न गिरवी रखेगा या न उस सम्पत्ति में या कब्जे को बिलग करेगा, सर्वथा यह करार और घोषणा की जाती है कि यदि मूलधन या ब्याज की कोई उक्त किस्तें उसके देय होने से दस दिन के भीतर उक्त रीति में संदत्त या वसूल नहीं की जाएगी या उधार लेने वाले की मृत्यु हो जाती है या मोटर कार को विक्रय करता है या गिरवी रखता है या उसे कब्जे से अलग करता है या दिवालिया हो जाता है या उसके किसी ऋणी से समझौता या अन्य व्यवस्था करता है या उधार लेने वाले के विरुद्ध किसी डिक्री का विनिश्चय के निष्पादन में कार्यवाही करता है, तब उक्त रूप में संगणित ब्याज सहित समस्त उक्त मूलधन देय और असंदत्त हो, तुरन्त संदेय होगी।

यह भी करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि हिमाचल प्रदेश सरकार इसमें पूर्व वर्णित किसी घटना के घटित होने पर उक्त मोटर कार का अभिग्रहण कर सकेगी और उसे हिलाए या बिना हिलाए अपने कब्जे में रख सकेगी या उक्त मोटर कार को लोक निलामी द्वारा या निजी संविदा द्वारा विक्रय कर सकेगी और विक्रय राशि में से असंदत्त और यथा पूर्वोक्त संगणित देय ब्याज सहित शेष अग्रिम और उचित रूप से उपगत सभी लागतों, प्रभारों, व्ययों और इसके अधीन उसके अधिकार को बनाए रखने, अभिरक्षा करने, और उगाहने के लिए किए गए या उपयुक्त रूप में उपगत संदाय रखेगी और अतिशेष, यदि कोई हो, उधार लेने वाले, उसके निष्पादक, प्रशासक या वैयक्तिक प्रतिनिधि को संदत्त करेगी :

परन्तु यह और कि पूर्वोक्त कब्जा लेने वाली या उक्त मोटर कार को विक्रय करने की शक्ति, उधार लेने वाले या उसका विधिक प्रतिनिधियों के विरुद्ध उक्त उपशेष बकाया का देय और व्याज या मोटर कार को बेचे जाने की दशा में, राशि जिसके द्वारा शुद्ध विक्रय आगम देय राशि से कम पड़ते हों, के बारे में मुकद्दमा चलाने के हिमाचल प्रदेश सरकार के अधिकार पर प्रतिकल प्रभाव नहीं डालेगी।

उधार लेने वाला आगे यह करार करता है कि जब तक हिमाचल प्रदेश सरकार का कोई धन शोध्य और बकाया रहता है उधार लेने वाला उक्त मोटर कार को अग्नि, चोरी दुर्घटना द्वारा हानि के विरुद्ध किसी सामान्य बीमा कारबार करने वाली/किसी बीमा कम्पनी/निगम के साथ बीमा करेगा और संपरीक्षा अधिकारी के संसाधन के लिए यह साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि सामान्य बीमा कारबार करने वाली बीमा कम्पनी/निगम में जिसके साथ उक्त मोटर कार बीमाकृत है ने सूचना प्राप्त कर ली है कि हिमाचल प्रदेश सरकार पालिसी में हितवद्ध है।

उधार लेने वाला और यह करार भी करता है कि उक्त मोटर कार को नष्ट या क्षति ग्रस्त नहीं होने देगा या उस मात्रा से अधिक क्षय नहीं होने देगा जो उसका व्यक्तिगत टूट-फूट से होती हो और आगे यह कि उक्त मोटर कार को किसी हानि या दुर्घटना घटने की दशा में उधार लेने वाला तुरन्त उसकी मरम्मत करेगा और नुकसान को पूरा करेगा।

अनुसूची

मोटर कार का वर्णन
बनाने वाले का नाम
वर्णन
सिलेण्डरों की संख्या
ईजन संख्या
चसिस संख्या
लागत कीमत

इसके साक्ष्य स्वरूप उक्त..... (उधार लेने वाले का नाम) और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से उक्त श्री..... ने ऊपरलिखित दिन और वर्ष को इस पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए ह।

उक्त उधार लेने वाले ने

1. (प्रथम साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)
2. (द्वितीय साक्षी का नाम पता और व्यवसाय) की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के लिए और उनकी ओर से श्री..... ने

1. (प्रथम साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय)
2. (द्वितीय साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय) की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

(अधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम)

प्ररूप III

बीमा पालिसी में जोड़े जाने वाले खण्ड के प्ररूप

(नियम 11 देखें)

यह घोषणा की जाती है और करार किया जाता है कि श्री..... ने जो मोटर कार का स्वामी है (जिसे इसमें आगे इस पालिसी की अनुसूची में बीमाकृत कहा गया है) ने हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल (जिन्हें

“सरकार” कहा गया है) के पास मोटरकार, खरीदने के लिए अग्रिम के लिए प्रतिभूत के रूप में आड़मान कर दिया है और यह भी घोषणा की जाती है और करार किया जाता है कि उक्त सरकार ऐसे धन में भी हितवद्ध है जो यदि यह पृष्ठांकन न होता तो उक्त श्री.....

(इस पालिसी के अधीन बीमाकृत को उक्त मोटरकार की हानियां उसका हुए नुकसान की बाबत जिस हानि या नुकसान की प्रतिपूर्ति, मुरम्मत, या पूर्णकरण या प्रति स्थापना द्वारा नहीं की गई (को संदेय होगा और ऐसा धन सरकार को उस समय तक दिया जाएगा जब तक कि वह मोटर कार की बन्धकदार है और उनकी रसीद इस बात का प्रमाण होगी कि ऐसी हानि या नुकसान की बाबत निगम ने पूरा और अन्तिम भुगतान कर दिया है ।

2. इस पृष्ठांकन द्वारा अभिव्यक्त रूप से जो करार किया गया है उसके सिवाय इसकी किसी भी बात से बीमाकृत क या कम्पनी के, इस पालिसी के अधीन या सम्बन्ध में अधिकार या दायित्व का अथवा इस पालिसी के किसी निबन्धन, उपबन्ध या शर्त का न तो उपान्तरण होगा और न उस पर प्रभाव पड़ेगा ।
